पत्र सूचना कार्यालय
भारत सरकार
****

नई दिल्ली
9 अगस्त, 2015

सरकार मौसम परियोजना के अंतर्गत 39 हिन्द महासागर देशों के साथ परस्पर सांस्कृतिक संबंध स्थापित करेगी

सरकार की 39 हिन्द महासागर देशों के साथ 'परियोजना मौसम' के अंतर्गत परस्पर सांस्कृतिक संपर्क स्थापित करने और ऐतिहासिक सामुद्रिक सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को पुन: सुदृढ़ करने की योजना है। इन 39 देशों में अन्य देशों के साथ-साथ बहरीन, कम्बोडिया, चीन, मिस्र, मॉरिशस, सिंगापुर, थाइलैंड, यमन, दक्षिण अफ्रीका, फिलिपींस, पाकिस्तान शामिल हैं।

'मौसम परियोजना' का शुभारंभ विश्व विरासत समिति की बैठक के 30वें अधिवेशन में हुआ था जो जून 2014 में दोहा, कतर में आयोजित हुई थी और तभी से इसे चीन, यूएई, कतर, म्यांमार, ईरान और वियतनाम जैसे देशों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने केरल राज्य सरकार के सहयोग से नवम्बर, 2014 में कोची में 'मौसम' परियोजना पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया था। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) ने इस संबंध में एक अकादमिक समिति और एक अस्थायी अनुसंधान इकाई स्थापित की है।

सरकार ने 'हिन्द महासागर सामुद्रिक मार्ग' हेतु विश्व विरासत पार-राष्ट्रीय नामांकन हासिल करने के लिए एक कार्य योजना तैयार की है। यह योजना युनेस्को विश्व विरासत एवं अमूर्त संस्कृति संबंधी सांस्कृतिक कंवेंशन के कार्यान्वयन के लिए भारत और विभिन्न सदस्य देशों की संयुक्त पहल पर विचार करती है। इसके अलावा, यह सामुद्रिक मार्गों तथा तटीय सांस्कृतिक भूदृश्य स्थलों के पार-राष्ट्रीय नामांकनों के आवेदन तैयार करने के लिए संयुक्त अनुसंधान और उपयुक्त स्थलों के चयन को प्रोत्साहित करती है। स्थाई वित्तीय समिति (एसएफसी) का ज्ञापन विचाराधीन है।

यह जानकारी आज संसद में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए माननीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और नागर विमानन राज्य मंत्री डॉ. महेश शर्मा द्वारा दी गई।

एनबी/एनके/पीएस